CBSE Class–9 Hindi

NCERT Solutions

क्षितिज पाठ-15 सर्वेश्वर दयाल सक्सेना-

1. बादलों के आने पर प्रकृति में जिन गतिशील क्रियाओं को कवि ने चित्रित किया है, उन्हें लिखिए।

उत्तर:- बादलों के आने पर प्रकृति में निम्न गतिशील क्रियाएँ हुई -

1. बादलों के आने की सूचना देने के लिए बयार रूपी नवयुवतियाँ नाचते-गाते देती हुई चलती है।
2. उसके आगमन की सूचना से घर के खिड़की दरवाजे खुल जाते हैं।
3. पेड़ों रूपी ग्रामीणों द्वारा बादल रूपी मेहमान को गरदन ऊँची कर देखना।
4. आँधी का आना और धूल का उड़ना।
5. नदी रूपी स्त्री का ठिठकना और बाँकी नज़र से देखना।
6. बुजुर्ग सदस्य रूपी पीपल का आगे बढ़कर मेहमान का स्वागत करना।
7. स्वागत में तालाब रूपी सेवक का परात भर पानी लाना।
8. आकाश में बिजली चमकना और वर्षा के बूंदों की रूप में मिलन के अश्रु बहाना।

2. निम्नलिखित किसके प्रतीक हैं ?

- **धूल**
- **पेड़**
- **नदी**
- **लता**
- **ताल**

उत्तर:- • धूल - स्त्री

- पेड़ - नगरवासी
- नदी - स्त्री
- लता - मेघ रूपी नायक की प्रतीक्षारत नायिका
- ताल -सेवक

3. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों ?

उत्तर:- लता ने बादल रूपी मेहमान को किवाड़ की ओट में से देखा क्योंकि एक तो वह बादल को देखने के लिए व्याकुल हो रही थी और दूसरी ओर वह बादलों के देरी से आने के कारण रूठी हुई भी थी।

4.1 भाव स्पष्ट कीजिए -

क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की

उत्तर:- भाव - नायिका को यह भ्रम था कि उसके प्रिय अर्थात् मेघ नहीं आएँगे परन्तु बादल रूपी नायक के आने से उसकी यह आशंका मिट जाती है कि मेघ उसे भूल गए है और वह क्षमा याचना करने लगती है।

4.2 बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।

उत्तर:- भाव - मेघ के आने का प्रभाव सभी पर पड़ता है। नदी रूपी ग्रामीण वधू जब ठिठककर कर ऊपर देखने की चेष्टा करती है तो उसका घूँघट सरक जाता है और वह तिरछी नज़र से आए हुए मेघ रूपी आंगतुक को देखने की चेष्टा करती है।

---

5. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए ?

उत्तर:- मेघ रूपी मेहमान के आने से हवा के तेज बहाव के कारण आँधी चलने लगती है जिससे पेड़ कभी झुक जाते हैं तो कभी उठ जाते हैं। दरवाजे खिड़कियाँ खुल जाती हैं। नदी बाँकी होकर बहने लगी। पीपल का वृक्ष भी झुकने लगता है, तालाब के पानी में उथल-पुथल होने लगती है, अंत में आसमान से वर्षा होने लगती है।

---

6. मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है?

उत्तर:- कवि ने मेघों में सजीवता लाने के लिए उनके बन-ठन के,सँवरने की बात की है। जब दामाद बहुत दिनों के बाद ससुराल जाते हैं तो वे बन-ठन के, सँवरकर जाते हैं ठीक उसी प्रकार मेघों के भी बहुत दिनों बाद आने से उन्हें बनने सँवरने में देर हो गई थी।

---

7. कविता में आए मानवीकरण तथा रूपक अलंकार के उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर:- मानवीकरण अलंकार -

- मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के
- नाचती गाती बयार चली
- पेड़ झुक झाँकने लगे
- धूल भागी घाघरा उठाए
- बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी
- बूढ़े पीपल ने जुहार की
- बोली अकुलाई लता
- हरसाया ताल लाया पानी परात भर के

रूपक अलंकार -

- क्षितिज अटारी गहराई
- दामिनी दमकी

---

8. कविता में जिन रीति-रिवाजों का मार्मिक चित्रण हुआ है, उनका वर्णन कीजिए।

उत्तर:- गाँव में मेहमान चाहे किसी के भी घर आए परन्तु उत्सुकता और उल्लास पूरे गाँव में होता है। सभी लोग अपने-अपने तरीकों से

मेहमान के स्वागत में जुट जाते हैं। गाँव की स्त्रियाँ मेहमान से पर्दा करने लगती है, बुजुर्ग झुककर उनका स्वागत करते हैं,पैरों को धोने के लिए परात में पानी लाया जाता है। इस प्रकार से इस कविता में कुछ ग्रामीण रीति-रिवाजों का चित्रण हुआ है।

9. कविता में कवि ने आकाश में बादल और गाँव में मेहमान (दामाद) के आने का जो रोचक वर्णन किया है, उसे लिखिए।

उत्तर:- कविता में मेघ और दामाद के आगमन में समानता बताई गई है। जब गाँव में मेघ आते हैं तो सारे लोग खुशियाँ मनाते हैं,अपने अपने खिड़की और दरवाजे मेघों के दर्शन के लिए खोल देते हैं। प्रकृति के सारे अंग भी जैसे उसके स्वागत के लिए तैयार बैठे होते हैं जैसे आँधी का उठना, धूल का अपना घाघरा उठा कर भागना, नदी का बाँकी नज़र से देखना आदि।

ठीक उसी प्रकार गाँव में दामाद के आने पर भी उल्लास और उमंग का माहौल छाया रहता है। स्त्रियाँ ओट से दामाद को तिरछी नजरों से देखती है। गाँव के बड़े बुजुर्ग दामाद का स्वागत सम्मान के साथ करते हैं।

10. काव्य-सौंदर्य लिखिए -

पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

उत्तर:- प्रस्तुत पंक्तियों में पाहुन अर्थात् दामाद के रूप में प्रकृति का मानवीकरण हुआ है। कवि ने प्रस्तुत कविता में चित्रात्मक शैली का उपयोग किया है। इसमें बादलों के सौंदर्य का मनोरम चित्रण हुआ है। कविता की भाषा सरल तथा सहज होने के साथ ग्रामीण भाषा जैसे पाहुन शब्द का भी इस्तेमाल किया गया है। यहाँ पर बन ठन में ब वर्ण की आवृत्ति होने के कारण अनुप्रास अलंकार तथा पाहुन ज्यों आए हों में उत्प्रेक्षा अलंकार है।

• रचना और अभिव्यक्ति

11. वर्षा के आने पर अपने आसपास के वातावरण में हुए परिवर्तनों को ध्यान से देखकर एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर:- वर्षा के आने पर वातावरण में ठंडक बढ़ जाती है। पेड़-पौधों पर जमी हुई धूल बह जाने के कारण वे तरोताजा दिखाई देते हैं। सड़कें भी चमकने लगती हैं। सड़कों पर छाते और रेनकोट नज़र आने लगते हैं। लोग मौसम का आनंद उठाते हैं।गड्ढों,नदी,तालाबों में पानी भर जाता है। सड़कों पर ट्रैफिक जाम होने लगता है। बच्चों का कोलाहल बढ़ जाता है। इस प्रकार वर्षा के आने पर सारा वातावरण उमंग और उल्लास से भर उठता है।

12. कवि ने पीपल को ही बड़ा बुजुर्ग क्यों कहा है ? पता लगाइए।

उत्तर:- पीपल के वृक्ष की आयु सभी वृक्षों में अधिक होती है। हिन्दू संस्कृति में पीपल की पूजा की जाती है इसी कारण गाँव में पीपल वृक्ष का होना अनिवार्य और शुभ माना जाता है इसीलिए पुराना और पूजनीय होने के कारण पीपल को बड़ा बुजुर्ग कहना उचित है।

13 कविता में मेघ को 'पाहुन' के रूप में चित्रित किया गया है। हमारे यहाँ अतिथि (दामाद) को विशेष महत्त्व प्राप्त है, लेकिन आज इस परंपरा में परिवर्तन आया है। आपको इसके क्या कारण नजर आते हैं, लिखिए।

उत्तर:- आज के इस बदलते परिवेश में अतिथि देवो भव की परम्परा में भी बदलाव आए हैं इसके कई कारण हैं जैसे संयुक्त परिवारों

का टूटना, शहरीकरण, पाश्चात्य संस्कृति की ओर बढ़ता झुकाव, महँगाई, और व्यस्तता ऐसे कुछ कारण हैं जिसके फलस्वरूप आज का मनुष्य केवल अपने बारे में ही सोचता है। उसके पास दूसरों को देने के लिए समय तथा इच्छा का अभाव हो चला है और परिणामस्वरूप यह परम्परा धीरे-धीरे गायब होती जा रही है।

• भाषा-अध्ययन

14. कविता में आए मुहावरों को छाँटकर अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए।

उत्तर:-

मुहावरे	अर्थ	वाक्य
बन-ठन के	सज सँवर के	उत्सवों में बन-ठन के जाना चाहिए।
सुधि लेना	खबर लेना	कभी-कभी अपने बूढ़े माता-पिता की भी सुधि ले लिया करो।
मिलन के अश्रु	मिलने की खुशी	हनुमान जब अपने आराध्य श्री राम से मिले तो उनकी आँखों से मिलन के अश्रु बह निकले।
गाँठ खुलना	मन का मैल दूर होना	आपसी बातचीत से मन की कई गाँठे खुल जाती है।
बाँध टूटना	धैर्य समाप्त होना	अब बस करो वर्ना मेरे सब्र का बाँध टूट जाएगा।

15. कविता में प्रयुक्त आँचलिक शब्दों की सूची बनाइए।

उत्तर:- बयार, पाहुन, उचकाना, जुहार, सुधि-लीन्हीं, किवार, अटारी, बन ठन, बाँकी, परात।

16. मेघ आए कविता की भाषा सरल और सहज है - उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:- निम्न उदाहरणों द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है कि मेघ आए कविता की भाषा सरल और सहज है -

• पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।

• मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर।

• बरस बाद सुधि लीन्हीं।

• पेड़ झुककर झाँकने लगे गर्दन उचकाए।

आदि उपर्युक्त पंक्तियों में अधिकतर आम बोलचाल की भाषा का ही प्रयोग हुआ है। ग्रामीण परिवेश को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण भाषा का भी उचित प्रयोग हुआ है जैसे सुधि पाहुन भरम आदि। कहीं पर भी भाषा को समझने में कोई मुश्किल नहीं होती है।